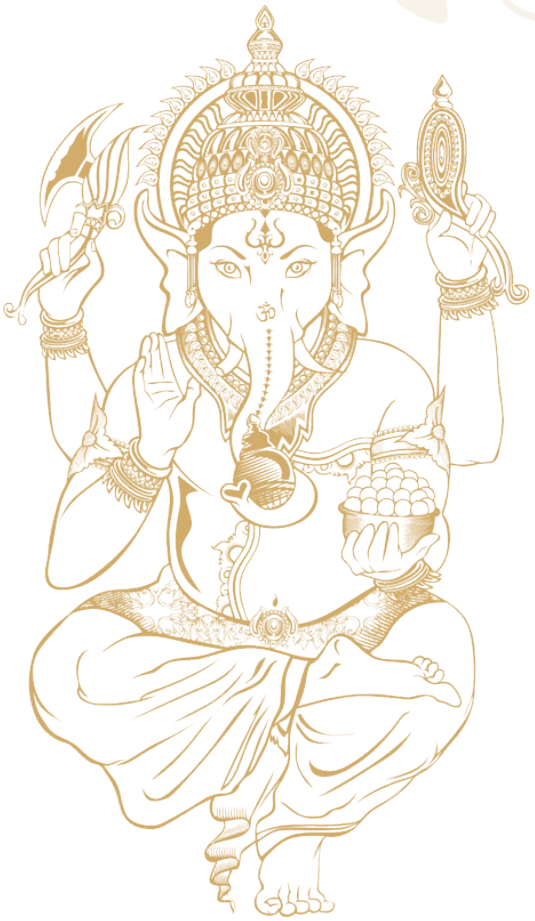

Nirvika Hitesh Yadav

20 Dec 2025

08:27 PM

Malegaon Nasik

Model: web-freekundliweb

Order No: 120594703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/12/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:27:00 घंटे**
इष्ट	33:30:39 घटी
स्थान	**Malegaon Nasik**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	20:32:00 उत्तर
रेखांश	74:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:55:32 घंटे
वेलान्तर	00:02:24 घंटे
साम्पातिक काल	01:53:19 घंटे
सूर्योदय	07:02:44 घंटे
सूर्यास्त	17:55:42 घंटे
दिनमान	10:52:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:45:22 धनु
लग्न के अंश	09:21:36 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:21:36	319:35:42	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			धनु	04:45:22	01:01:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	10:51:16	12:06:32	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	धनु	09:47:34	00:45:30	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	17:31:11	01:26:08	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	28:32:24	00:06:51	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	00:39:58	01:15:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
शनि			मीन	01:23:12	00:02:23	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	17:35:34	00:13:07	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	17:35:34	00:13:07	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:04:51	00:02:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:10:52	00:00:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:10:04	00:01:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	06:13:09	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:16

लग्न-चलित

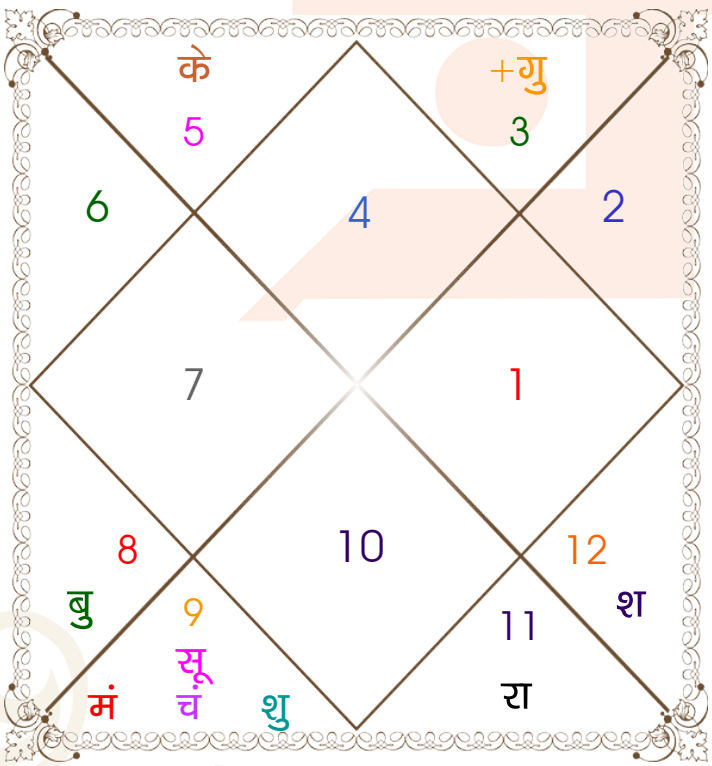

चन्द्र कुंडली

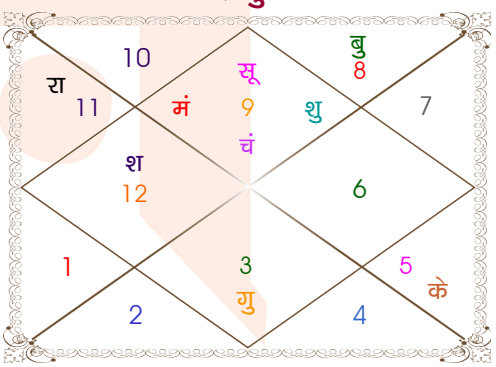

नवमांश कुंडली

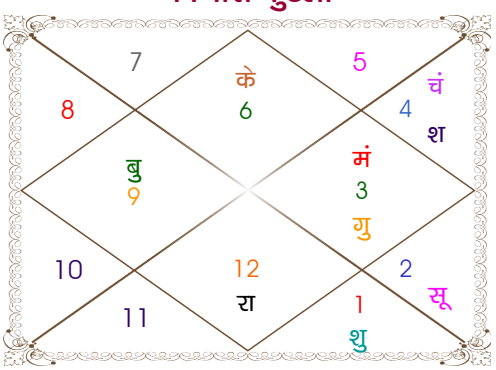

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 3 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/12/2025		10/04/2027		10/04/2047		09/04/2053		10/04/2063	
10/04/2027		10/04/2047		09/04/2053		10/04/2063		09/04/2070	
	00/00/0000	शुक्र	09/08/2030	सूर्य	28/07/2047	चंद्र	08/02/2054	मंगल	06/09/2063
	00/00/0000	सूर्य	09/08/2031	चंद्र	27/01/2048	मंगल	09/09/2054	राहु	23/09/2064
	00/00/0000	चंद्र	09/04/2033	मंगल	03/06/2048	राहु	10/03/2056	गुरु	30/08/2065
	00/00/0000	मंगल	09/06/2034	राहु	27/04/2049	गुरु	10/07/2057	शनि	09/10/2066
	00/00/0000	राहु	09/06/2037	गुरु	14/02/2050	शनि	08/02/2059	बुध	06/10/2067
	00/00/0000	गुरु	08/02/2040	शनि	27/01/2051	बुध	09/07/2060	केतु	03/03/2068
	20/12/2025	शनि	10/04/2043	बुध	03/12/2051	केतु	07/02/2061	शुक्र	04/05/2069
शनि	12/04/2026	बुध	08/02/2046	केतु	09/04/2052	शुक्र	09/10/2062	सूर्य	08/09/2069
बुध	10/04/2027	केतु	10/04/2047	शुक्र	09/04/2053	सूर्य	10/04/2063	चंद्र	09/04/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/04/2070		09/04/2088		10/04/2104		11/04/2123		10/04/2140	
09/04/2088		10/04/2104		11/04/2123		10/04/2140		00/00/0000	
राहु	21/12/2072	गुरु	28/05/2090	शनि	14/04/2107	बुध	06/09/2125	केतु	06/09/2140
गुरु	16/05/2075	शनि	08/12/2092	बुध	22/12/2109	केतु	04/09/2126	शुक्र	06/11/2141
शनि	22/03/2078	बुध	16/03/2095	केतु	31/01/2111	शुक्र	04/07/2129	सूर्य	14/03/2142
बुध	09/10/2080	केतु	20/02/2096	शुक्र	01/04/2114	सूर्य	11/05/2130	चंद्र	13/10/2142
केतु	27/10/2081	शुक्र	21/10/2098	सूर्य	14/03/2115	चंद्र	10/10/2131	मंगल	11/03/2143
शुक्र	27/10/2084	सूर्य	09/08/2099	चंद्र	13/10/2116	मंगल	07/10/2132	राहु	29/03/2144
सूर्य	21/09/2085	चंद्र	09/12/2100	मंगल	21/11/2117	राहु	26/04/2135	गुरु	05/03/2145
चंद्र	22/03/2087	मंगल	15/11/2101	राहु	27/09/2120	गुरु	01/08/2137	शनि	21/12/2145
मंगल	09/04/2088	राहु	10/04/2104	गुरु	11/04/2123	शनि	10/04/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 3 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।